राधा कमल मुकर्जी : चिन्तन परम्परा

वर्ष 7 अंक 2 **जुलाई-दिसम्बर 2005**

1. **धर्म एवं विश्वशान्ति की आकांक्षायें** -डॉ. श्यामधर सिंह, प्रोफेसर समाजशास्त्र विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी (उ.प्र.)
2. **वृद्धावस्था से सम्बन्धित विविध समस्यायें : एक समाज वैज्ञानिक विश्लेषण** - डॉ. एल.एल. श्रीवास्तव प्रोफेसर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं अंजनी कुमार श्रीवास्तव, शोध छात्र, समाजशास्त्र विभाग, श्री अग्रसेन कन्या स्वायत्तशासी पी.जी. कालेज, वाराणसी - (उ.प्र.)
3. **अंतरजातीय विवाह और नेपाल की जाति व्यवस्था** - डॉ. विनोद कुमार श्रीवास्तव, उपाचार्य, समाजशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उ.प्र.)
4. **गढ़वाल में शाक्त धर्म** - डॉ. मंजुला जुगरान, प्रोफेसर इतिहास विभाग, हे.न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड)
5. **उपाश्रित वर्गीय चिन्तन** - डॉ. आशा रानी मेहरोत्रा, रीडर एवं अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, महिला महाविद्यालय, बी.एच.यू. वाराणसी (उ.प्र.)
6. **उत्तर प्रदेश की राजनीति में अति पिछड़ी जातियों की भूमिका** - डॉ. राम बहादुर वर्मा, अध्यक्ष, राजनीति शास्त्र विभाग, फिरोजगांधी कालेज, रायबरेली (उ.प्र.)
7. **भारत में ग्रामीण श्रेत्रों की बेरोजगारी** - डॉ. एस.एस. भदौरिया, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, महारानी लक्ष्मीबाइ शासकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय,, ग्वालियर, डॉ. सुधीर सिंह, शोध अधिकारी, धारा बेजीटेबिल कम्पनी, बड़ौदा (गुजरात) एवं डॉ. श्रीमती मोनिका सिंह, रिसर्च एसोसिएट, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
8. **वैदिक मन्त्रांश तथा आदर्श समाज व्यवस्था** - डॉ. उषा अग्रवाल, रीडर एवं अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, एम.एल.एंड जे.एन.के. गर्ल्स पी.जी. कालेज, सहारनपुर (उ.प्र.)
9. **उच्च वर्ग जाति में बदल रहा है** - डॉ. आनन्द प्रकाश सारस्वत, पूर्व विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र, एन.ए.एस. पी.जी. कालेज, मेरठ (उ.प्र.)
10. **स्वस्थ विश्व की संकल्पना और स्थानीय प्रक्रियायें** - डॉ. शशि रानी अग्रवाल, रीडर, समाजशास्त्र, महिला महाविद्यालय, बी.एच.यू. वाराणसी (उ.प्र.)
11. **जनसंख्या वृद्धि के धार्मिक आयाम** - डॉ. रश्मी त्रिवेदी रीडर एवं विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, आर. बी.डी. महिला महाविद्यालय, बिजनौर एवं डॉ. जाकिया रफत, रीडर समाजशास्त्र विभाग, आर.बी.डी. महिला महाविद्यालय, बिजनौर (उ.प्र.)
12. **असंतुलित लिंगानुपात-कारण व निदान** - डॉ. राजीव कुमार अग्रवाल, रीडर वाणिज्य विभाग, एल.बी.एस. महाविद्यालय, गोण्डा एवं डॉ. हरि प्रकाश श्रीवास्तव, रीडर समाजशास्त्र विभाग, एल.बी.एस. महाविद्यालय, गोण्डा (उ.प्र.)
13. **जनपद बिजनौर में स्त्री शिक्षा का परिवार कल्याण कार्यक्रम पर प्रभाव** - डॉ. बी.डी. हरपलानी, प्राचार्या एवं विभागाध्यक्ष गृह विज्ञान विभाग, एस.बी.डी. महिला माविद्यालय, धामपुर (उ.प्र.)
14. **मुस्लिम समाज में परिवार का बदलता हुआ प्रतिमान** - डॉ. जाहेदुन्निसा, प्रवक्ता स्ववित्तपोषित योजना, समाजशास्त्र विभाग, आर.एस.एम. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धामपुर, बिजनौर (उ.प्र.)
15. **पंचायती राज में महिलाओं की सहभागिता** - डॉ. निरपेन्द्र कुमार सिन्हा, प्रवक्ता समाजशास्त्र, रामस्वरूप ग्रामोद्योग पी.जी. कालेज, कानपुर देहात एवं श्रीमती रोमा श्रीवास्तव, शोध अध्येत्री समाजशास्त्र, क्राइस्ट चर्च कालेज, कानपुर (उ.प्र.)

16. **पुस्तक समीक्षा : जनजातीय जनांकिकी-लेखक-डॉ. अशोक प्रधान** - समीक्षक- डॉ. अन्जू रानी, वरिष्ठ प्रवक्ता समाजशास्त्र विभाग, आचार्य नरेन्द्र देव महिला महाविद्यालय, कानपुर एवं आनन्द कुमार उपाध्याय, रिसर्च स्कॉलर, समाजशास्त्र एवं मानव विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ.प्र.)

17. **पुस्तक समीक्षा : भारत में परिवार और समाज-परिवर्तित परिप्रेक्ष्य-लेखक-डॉ. अशोक डी पाटिल** - समीक्षक-डॉ. एच.एन. सिंह, रीडर, समाजशास्त्र विभाग, धर्म समाज कालेज, अलीगढ़ (उ.प्र.)